CENTRAL INSTITUTE OF HIGHER TIBETAN STUDIES
(DEEMED UNIVERSITY)
SARNATH, VARANASI

(Details required for Institute website)

Personal Details (all fields are mandatory)

Name:	**THINLAY RAM SHASHNI**		PHOTO
Designation:	**ASSOCIATE PROFESSOR**		
Department:	**RARE BUDDHIST TEXTS RESEARCH DEPARTMENT**		
Faculty:	**RESEARCH**		
Date of Joining:	**01-09-1989 to 24-09-2018 (Research Assistant)** **25-09-2018 (Associate Professor)**		
Ph.D. Topic:	**----------**		
Languages Known	**Hindi, Sanskrit, English & Tibetan**		
Mobile No.:	**9415447466**	**Email ID:**	**thinlaygonpapa@gmail.com**

Professional Summary (A maximum of 100 words)**:**

शैक्षिक योग्यता : बौद्धदर्शनाचार्य, NET (UGC) (बौद्ध-अध्ययन), तिब्बती-डिप्लोमा (द्वि-वर्षीय)

कार्य-प्रकृति : दुर्लभ बौद्धतन्त्र-ग्रन्थों परशोध, सम्पादन एवं प्रकाशन।

सम्पादन की प्रक्रिया- सर्वप्रथम विभिन्न लिपियों में निबद्धपाण्डुलिपियोंका काल एवं लिपि के आधार पर वर्गीकरण एवं चयन, चयनित पाण्डुलिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यन्तर, उपलब्ध समस्त पाण्डुलिपियों से पाठ-संकलन, भोट-संस्करण से पाठ-मिलान, तथा पाठ-निर्णय आदि को क्रमशः सम्पन्नकर, सम्पादित ग्रन्थ का शोधात्मक-अध्ययन, भूमिका-लेखन, अनुवाद तथा परिशिष्ट-निर्माण सहित प्रकाशनार्थ तैयार करना।

लिपि का ज्ञान: प्राचीन नेवारी, भुजिमोल, प्रचलित नेवारी, प्राचीन मागधी, प्राचीन बंगला, सिद्धम्, भोट-लिपि (तिब्बती), प्राचीनदेवनागरी एवं रोमन लिपि आदि।

पाण्डुलिपि सर्वेक्षण का अनुभव :

(1) वर्ष 1994 में काठमांडू (नेपाल) स्थित **नेशनल अर्काब्ईज़, नेपाल-जर्मन रिसर्च प्रोजेक्ट, आशा अर्काब्ईज़, केसर पुस्तकालय** तथा स्थानीय**वज्राचार्यों के वैयक्तिक** पाण्डिलिपि-संग्रहों में **एक माह** पर्यन्त विभिन्न प्राचीन लिपियों में निबद्ध पाण्डुलिपि-सर्वेक्षण।

(2) वर्ष 2013 में (दिनांक 19-11-2013 से 30-11-2013 तक) पटना-म्यूज़ियम स्थित **बिहार रिसर्च सोसाईटी** में उपलब्ध **राहुल-संग्रह** में विभिन्न प्राचीन लिपियों में निबद्ध संस्कृत-पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण तथा सूची-निर्माण।

(3) वर्ष 2019 में (दिनांक- 11-11-2019 से 15-11-2019 तक)मुम्बई स्थित आयुर्वेद एवं सिद्धवेद के विख्यात चिकित्सक डॉ. पंकज नरम जी के **व्यक्तिगत दुर्लभ पाण्डुलिपि-संग्रह**कासर्वेक्षण तथा सूची निर्माण।

Areas of Specialisation & Research Interests:

(क)- बौद्धतन्त्र ग्रन्थों का सम्पादन, शोध एवं प्राचीन पाण्डुलिपियों का अध्ययन
(ख)- पश्चिमी हिमालयी संस्कृतिका अध्ययन

Teaching Experience:

N. A.

Research Projects, On-going/ Completed:

(क)- वैयक्तिक सम्पादन-योजना के तहत, आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद) एवं आचार्य रामपाल आदि शिष्यों द्वारा रचित पच्चीस-अमनसिकार-महामुद्रा ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन—

(1) आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद) विरचित **तत्त्वरत्नावली** (भूमिका सहित) — धीः शोध-पत्रिका-53, (पृ. 137-166)
तत्त्वरत्नावली (हिन्दी-अनुवाद) — धीः शोध-पत्रिका-53, (पृ. 69-78)

(2-3) आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद) विरचित **कुदृष्टनिर्घातन एवं कुदृष्टिनर्घातवाक्यटिप्पणिका च** । (ग्रन्थपरिचय सहित) — धीः शोध-पत्रिका-54, (पृ.165-207)

(4) आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद) विरचित **अमनसिकाराधारः** (भावानुवाद सहित) — धीः -55, (पृ. 87-104)

(5-6) आचार्य मैत्रीपाद (=अद्वयवज्रपाद) विरचित **सेकनिर्देशः, सेकतात्पर्यसंग्रह** (ग्रन्थसार एवं समीक्षा सहित)- धीः-56, (पृ. 79-123)

(7) आचार्य रामपाल विरचित **सेकनिर्देशपञ्जिका**— धीः शोध-पत्रिका-57,(पृ. 169-206)

(8-10) आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद) विरचित (ग्रन्थ-त्रयी **पञ्चतथागतविवरणम्, प्रेमपञ्चक तथा निर्भेदपञ्चक)** हिन्दी-अनुवाद सहित), धीः शोध-पत्रिका-57,(पृ. 95-121)

(11-16)आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद) विरचित (ग्रन्थ-षट्कम् **अप्रतिष्ठानप्रकाशः, तत्त्वप्रकाशः, महासुखप्रकाशः, युगनद्धप्रकाशः, माया-निरुक्तिः, स्वप्न-निरुक्तिः** (हिन्दी-अनुवाद सहित), धीः शोध-पत्रिका-59,(पृ. 105-138)

(ख.)-प्रकाशनाधीन-ग्रन्थ—

(17-21) आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद) विरचित (ग्रन्थ-पञ्चकम् **तत्त्वदशकम्, तत्त्वविंशिका, मध्यमषटक्, महायानविंशिका, तथा सहजषट्क**) (आगामी धीः शोध-पत्रिका के 60वें अंक में प्रकाशनार्थ)

(ग.)- पटना-संग्रहालय तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के संयुक्त तत्त्वावधान में पाण्डुलिपि-ग्रन्थ-प्रकाशन योजना के अन्तर्गत वैयक्तिक सम्पादनार्थ सौंपे गये ग्रन्थों के नाम—

1. आचार्य मैत्रीपाद(=अद्वयवज्रपाद)विरचित **हेवज्राख्ये युगनद्धक्रमः**
2. मैत्रीपाद (अद्वयवज्र) विरचित **हेवज्रविशुद्धि-निधिसाधन**

(घ.)- **विभागीय सामूहिक-सम्पादन कार्य के तहत प्रकाशनाधीन ग्रन्थ–**

1. श्रीचतुष्पीठमहायोगिनीतन्त्रराज (मूल-ग्रन्थ) (संस्कृत एवं भोट-संस्करण)
2. महाचार्य भवभद्र विरचित श्रीचतुष्पीठतन्त्रराजस्य स्मृतिनिबन्धनाम-टीका (संस्कृत एवं भोट-संस्करण)
3. सम्पुटोद्भवतन्त्रम् (संस्कृत एवं भोट-संस्करण)
4. धीः शोध-पत्रिका (वार्षिकी) अंक- 60
   (अद्यावधि धीः शोध-पत्रिका के 59 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।)

Publications:

सह-सम्पादक के रूप में विभाग से सम्पादित एवं प्रकाशित ग्रन्थ :

(1) डाकिनीजालसंवररहस्यम्,
(2) वसन्ततिलका (टीकासहितम्)
(3) कृष्णयमारितन्त्रम् (टीकासहितम्)
(4) महामायातन्त्रम् (टीकासहितम्)
(5) अभिसमयमञ्जरी
(6) कालचक्रतन्त्रटीका विमलप्रभा (भाग-2)
(7) कालचक्रतन्त्रटीका विमलप्रभा (भाग-3)
(8) अध्यात्मसारशतकम् (टीकासहितम्)
(9) योगिनीसञ्चारतन्त्रम् (निबन्धं व्यख्यासहितं च)
(10) सिद्धैकवीरमहातन्त्रम्
(11) चर्यामेलापकप्रदीपम् (आर्यदेवविरचितम्)
(12) तत्त्वज्ञानसंसिद्धिः (पञ्जिका सहिता)
(13) कुरुकुल्लाकल्पः
(14) चक्रसंवरतन्त्रम्(विवृत्तिसमेतम्) (भाग 1-2)
(15) श्रीगुह्यसमाजमण्डलविधिः
(16) बौद्धस्तोत्ररत्नाकरः
(17) कालचक्रतन्त्रलघुग्रन्थसंग्रहः (भाग-1)
(18) कालचक्रतन्त्रलघुग्रन्थसंग्रहः (भाग-2)

व्यक्तिगत रूप से सम्पादित एवं प्रकाशित ग्रन्थ :

(1) बौद्धतन्त्रकोश (भाग-1)
(2) बौद्धतन्त्रकोश (भाग-2)
(3) बौद्धतन्त्रकोश (भाग-3)
(4) भदन्त इन्द्रेण संकलिताः सूत्र-तन्त्रोद्भवाः कतिपयधारणीमन्त्राः भोटानुवादसहिताः (धारणीमन्त्र-ग्रन्थ)
    1. प्रथम-संस्करण, वर्ष 1997.
    2. द्वितीय-संस्करण, वर्ष 2003, (रोमन-लिपि में लिप्यन्तर सहित पुनः सम्पादित)
    3. द्वितीय-संस्करण, वर्ष 2006, (पुनर्मुद्रित)
    4. तृतीय-संस्करण, वर्ष 2012, (संशोधित भूमिका सहित पुनः सम्पादित)

विभागेतर सह-सम्पादक के रूप में सम्पादित एवं प्रकाशित ग्रन्थ :

(1) कालचक्रतन्त्र-अभिषेक (स्मारिका), 1994, प्रकाशक- रिन्छेन जङ्पो साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सभा, केलंग, लाहौल एवं स्पिति (हिमाचल-प्रदेश)।
(2) लिशि-गुरखङ् (भोट-संस्कृत-कोश), 2009, प्रकाशक- स्रोङ्चेन लाईब्रेरी, सहस्रधारा रोड़, देहरादून (उत्तरांचल)।
(3) आर्य नागार्जुन रचित सुहृल्लेख (हिन्दी-अनुवाद)) 2009, प्रकाशक- बौद्ध-विद्या संरक्षण एवं संवर्द्धन-सभा, कालचक्र-भवन, थोथङ् (जिस्पा), लाहौल एवं स्पिति (हिमाचल-प्रदेश)।
(4) धर्मकीर्त्ति रचित न्यायबिन्दु एवं धर्मोत्तरटीका सहित (संस्कृत एवं भोट), 2010, लेखक- प्रो. जी. सी. पाण्डेय, प्रकाशक- केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी।
(5) आर्य नागार्जुन रचित बोधिपथप्रदीप (हिन्दी-अनुवाद)) 2010, प्रकाशक- (15वें लब-क्यबगोन रिन्पोछे तेनजिन योनतन गोन्बो, सेरा-जे विद्यापीठ द्वारा वित्तपोषित) बौद्ध-विद्या संरक्षण एवं संवर्द्धन-सभा, कालचक्र-भवन, थोथङ् (जिस्पा), लाहौल एवं स्पिति (हिमाचल-प्रदेश)।

Highlights/ Awards/ Accomplishments etc.:

Nil